अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2020) दिनांक : 21-12-2020

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

(नव पदार्थ) जीव-अजीव–40

प्र. 1 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– 10

(जीव–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें–)

(क) जीव का नाम पुद्गल क्यों है?

(ख) जीव को जगत क्यों कहा गया है?

(ग) सत्व शब्द के दो अर्थ कौन से हैं? स्वामी जी की परिभाषा के अनुसार जीव सत्व क्यों है?

(घ) आ. भिक्षु ने जीव को नायक किन संदर्भों में बताया है?

(ङ) जीव को विकर्त्ता किस अपेक्षा से कहा गया है?

(अजीव–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–)

(च) उद्योत किसे कहते हैं?

(छ) धर्म, अधर्म व आकाश की प्रदेश संख्या व माप का आधार क्या है?

(ज) 'अनुतटिका' शब्द का अर्थ लिखें।

(झ) काल का माप किस आधार से किया गया है?

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 10

(क) जीव–परिणामी नित्य से क्या तात्पर्य है? ***अथवा*** मानव का क्या अर्थ है?

(ख) अजीव–काल के स्कंध, देश, प्रदेश आदि भेद क्यों नहीं होते? ***अथवा*** परमाणु व प्रदेश में क्या-क्या साम्यता व विषमता है?

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 20

(क) जीव–द्रव्य जीव को विस्तार से समझाएं। ***अथवा*** भगवती सूत्र के अनुसार जीव के 23 नामों का उल्लेख करते हुए बताएं कि जीव को कर्त्ता, आत्मा, योनि, स्वयंभू, अंतरात्मा क्यों कहा गया है?

(ख) अजीव–पुदगल की शाश्वतता और अशाश्वतता को सिद्ध करें? ***अथवा*** धर्म, अधर्म, आकाश व पुदगल अस्तिकाय क्यों है?

अवबोध (जीव से संवर)–30

प्र. 4 किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में लिखें– 7

(क) अव्रत आस्रव कितने गुणस्थान तक है?

(ख) परपरिवाद किसे कहते हैं?

(ग) पर्याप्ति जीव है या अजीव?

(घ) योग की उत्पत्ति का तात्विक आधार क्या है?

(ङ) देवता व नारक में संवर क्यों नहीं होता?

(च) सिद्धों में संवर क्यों नहीं माना गया?

(छ) क्या लोकाकाश का कोई भाग जीव रहित है?

(ज) लोक में जीव ज्यादा है या अजीव?

(झ) समनस्क तिर्यंचों के निसर्ग सम्यक्त्व होती है या अधिगम सम्यक्त्व?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) संवर औदारिक शरीर में ही होता है या अन्य शरीर में भी?

(ख) प्रमाद आश्रव की जनक प्रकृतियां कौन-कौन सी हैं?

(ग) मृषावाद पाप है, फिर माया मृषा अलग क्यों है?

प्र. 6 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) उत्पन्न होने वाला जीव ओज आहार के सहारे ही बढ़ता है या अन्य आहार भी ग्रहण करता है?

(ख) क्या आगम प्रमाणों से यह सिद्ध होता है कि आश्रव जीव है?

(ग) नमस्कार पुण्य को अलग क्यों बताया गया है?

(घ) मरने के बाद जीव इन योनियों में किस रास्ते से जाता है?

अमृत कलश भाग-3 (छठा सातवां चषक तप को छोड़कर)–30

प्र. 7 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 5

(क) अर्हत वंदना का प्रारंभ कब और कहां हुआ?

(ख) कर्म भूमिक मनुष्य के तीन प्रकार कौन से हैं?

(ग) अर्हत और सिद्ध को मंगल किस दृष्टि से माना गया है?

(घ) सिद्धों का निवास कहां है?

(ङ) व्यवदान शब्द का अभिप्राय क्या है?

(च) सब भवी जीव मुक्त हो जाएंगे तो क्या संसार एक दिन भवी जीवों से शून्य हो जाएगा?

(छ) क्या अभवी साधु बन सकता है?

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्य में दें– 10

(क) क्या अव्यवहार राशि में सूक्ष्म और बादर दोनों ही प्रकार के जीव आते हैं?

(ख) सम्यक्त्व प्राप्ति के बाद जीव संसार में कब तक परिभ्रमण कर सकता है?

(ग) णम्मोक्कार मंत्र के जप का क्या उद्देश्य होना चाहिए?

(घ) आचार्य व उपाध्याय के उत्कृष्ट कितने भव होते हैं?

(ङ) वन्दना किनको की जाती है?

(च) भवी अभवी कौन होते हैं?

(छ) नमस्कार मंत्र के प्रत्येक पद के पहले ॐ ह्रीं श्रीं भी लगाया जाता है इसका क्या तात्पर्य है?

प्र. 9 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 15

(क) प्रतिक्रमण का समय एक मुहुर्त ही क्यों?

(ख) तीर्थंकर व सामान्य केवली में अंतर स्पष्ट करते हुए बताएं कि तीर्थंकर कृतकृत्य होते हैं, फिर वे प्रवचन क्यों करते हैं?

(ग) रूचि क्षमता व विकास के आधार पर श्रावक के कितने विभाग होते हैं? सविस्तार लिखें।

(घ) णमोक्कार मंत्र में रंगों का चुनाव किस आधार पर किया गया है? क्या रंगों का शारीरिक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ता है?

(ङ) वीतराग की शरण क्यों स्वीकार की जाती है? जबकि वे हमारा भला बुरा कुछ भी नहीं करते।